विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर

सी-41, सेक्टर-12, नोएडा

ई- पत्रिका अंक-33, जुलाई -2023

☎ 0120-4545608 WEBSITE: ssmnoida.in GMAIL: ssm.noida@gmail.com

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मंदिर , सी - 41 , सेक्टर – 12, नोएडा

मासिक ई- पत्रिका जुलाई – 2023

ज्ञानोदय (अंक -33)

संरक्षक

श्री प्रताप मेहता

श्री दिनेश गोयल

श्री रविन्द्र कुमार

श्री प्रदीप भारद्वाज

श्री सुशील कुमार

श्री असित कुमार त्यागी

मार्गदर्शक

श्री प्रकाश वीर (प्रधानाचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

संपादक

श्री लेखराज सिंह (आचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

संपादक मंडल

श्री दीपक कुमार, ब॰अनु सिंह,
ब॰प्रतीक्षा दीक्षित

क्रम सूची

- संपादकीय
- प्रधानाचार्य जी की कलम से
- आचार्य-अभिभावक गोष्ठी
- प्रतियोगिताएँ
- जयन्तियां
- लेख
- शिशु सभा
- विज्ञान सप्ताह
- जन्मदिवस कार्यक्रम
- प्रहेलिकाएँ
- सामान्य ज्ञान
- बच्चों का कोना

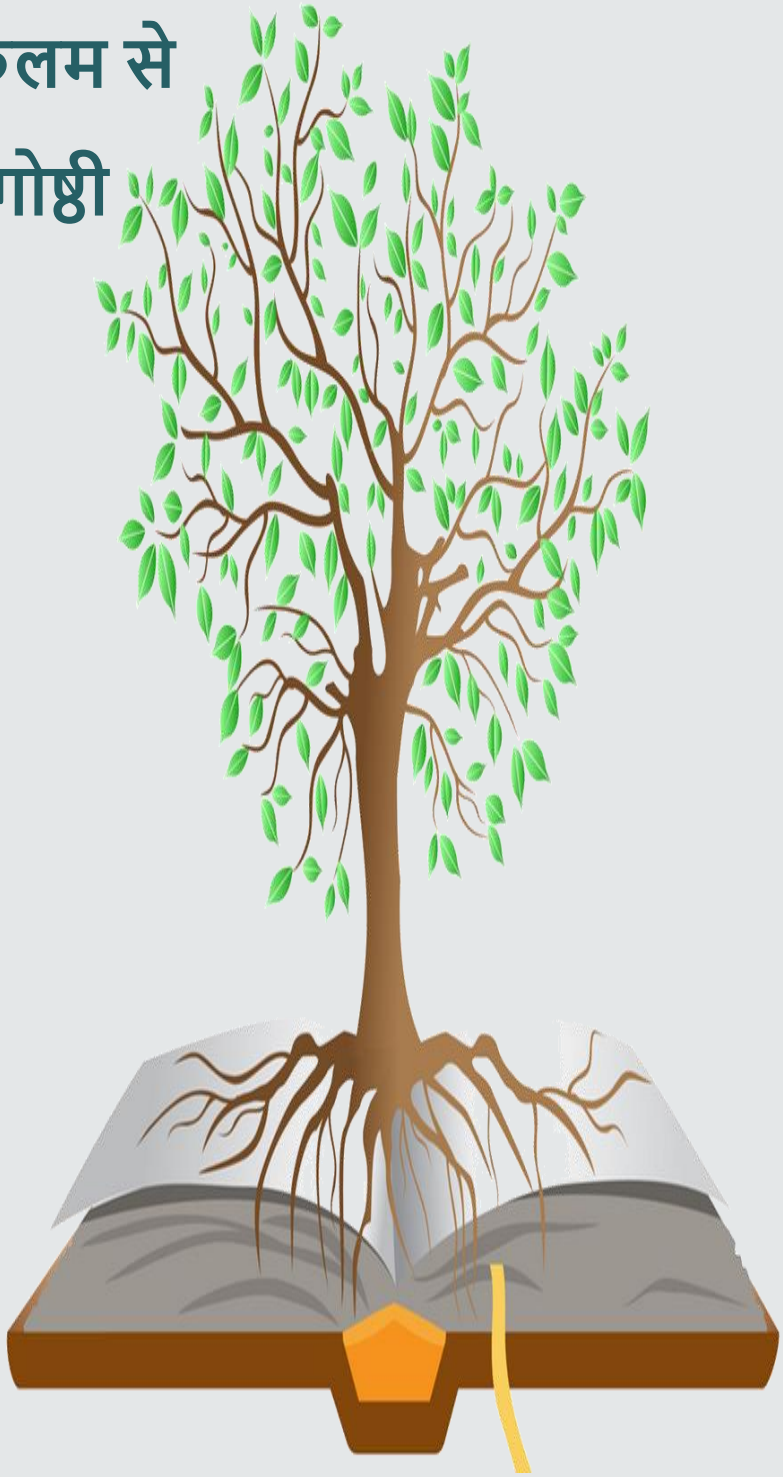

संपादकीय

आज का युग विज्ञान का युग है। आज हर जगह सिर्फ विज्ञान का ही बोलबाला है। कलम से लेकर लैपटॉप तक सब कुछ विज्ञान की ही देन है। आज हम सौ फीसदी विज्ञान पर ही आश्रित हैं। नित नये वैज्ञानिक अविष्कारों को देखते हुए यह इतना प्रमुख एवं महत्वपूर्ण विषय बन गया है। विज्ञान ने विगत 500 वर्षों में दुनिया का नक्शा ही बदल दिया है। विज्ञान के नए -नए अविष्कार ने मानव का जीवन सहज बना दिया हैं ।

आज हम कुछ सेकंड में दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक बातचीत कर सकते हैं । आज हम कुछ ही समय में एक जगह से दूसरे जगह जा सकते हैं । विज्ञान हमेशा ही नए-नए प्रयोग करता रहता है। विज्ञान वर्तमान समय में रोबोटिक्स, टेक्नोलॉजी, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस आदि के क्षेत्र में तेजी से प्रयोग कर रहा है, और मानव का जीवन सरल होता रहा है।

हम शिशु मन्दिर परिवार इस सप्ताह 25 जुलाई से 2 अगस्त 2023 तक विज्ञान सप्ताह के रूप में मना रहे हैं। इस क्रम में विज्ञान के छोटे-छोटे प्रयोगों द्वारा भैया- बहिनों में इसके प्रति रूचि जागृत करने का प्रयास कर रहे हैं। जिससे आने वाले भविष्य में अपने समाज और देश को उच्चतम शिखर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। ऐसी आशा और विश्वास है।

प्रतीक्षा दीक्षित (अंक संपादक)

ज्ञानोदय ई – पत्रिका

सरस्वती शिशु मन्दिर, नोएडा

प्रधानाचार्य जी की कलम से.

राजधर्म

आचार्य चाणक्य विद्वान और न्यायप्रिय होने के साथ ईमानदार व्यक्ति भी थे। बड़े साम्राज्य के महामंत्री होने के बावजूद नगर के बाहर कुटिया में रहते थे। एक बार यूनान का राजदूत उनसे मिलने राजदरबार में पहुंचा। राजनीति और कूटनीति में दक्ष चाणक्य की चर्चा सुनकर मंत्रमुग्ध हो गया। उसने शाम को चाणक्य से मिलने का समय मांगा। आचार्य ने कहा, रात को मेरे घर आ सकते हैं। शाम को राजमहल में उनके निवास के बारे में पूछने पर पता चला कि आचार्य नगर के बाहर एक कुटिया में रहते हैं। राजदूत आश्चर्य चकित रह गया कि चाणक्य जैसा महामंत्री एक कुटिया में रहता है। कुटिया में पहुंचकर राजदूत ने आचार्य के पांव छुए। राजकाज की बात करते-करते पारिवारिक जीवन की बात होने लगी। पारिवारिक वार्ता शुरू होते ही चाणक्य ने पहला दीपक बुझा कर दूसरा जला लिया। कारण पूछने पर चाणक्य ने बताया कि जब राजकाज की बातें हो रही थीं तो राजकोष से खरीदे दिए का उपयोग हो रहा था। अब उसे बुझा कर व्यक्तिगत धन से खरीदा दिया जला दिया है। चाणक्य की इस ईमानदारी और सादगी पर यूनान का राजदूत हैरान और नतमस्तक होकर रह गया।

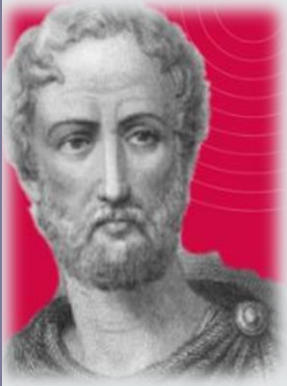

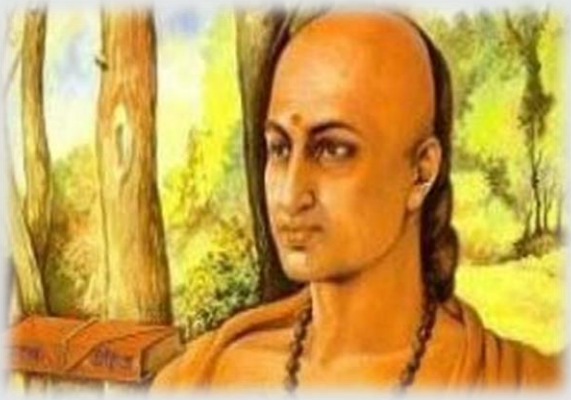

प्रकाश वीर (प्रधानाचार्य)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

आचार्य-अभिभावक गोष्ठी

दिनांक- 08. 07.23 को P.T.M का कार्यक्रम हुआ इसमें आचार्य-अभिभावकों ने मिलकर भैया/ बहिनों के सर्वांगीण विकास के बारे में चर्चा की व सुझावों का आदान- प्रदान किया।

प्रतियोगिताएँ

बस्ता प्रतियोगिता (प्रथम चरण) दिनांक -20.07.23

सरस्वती शिशु मन्दिर (नोएडा) ज्ञानोदय

सुलेख प्रतियोगिता (प्रथम चरण) दिनांक -22.07.23

कक्षा- प्रथम

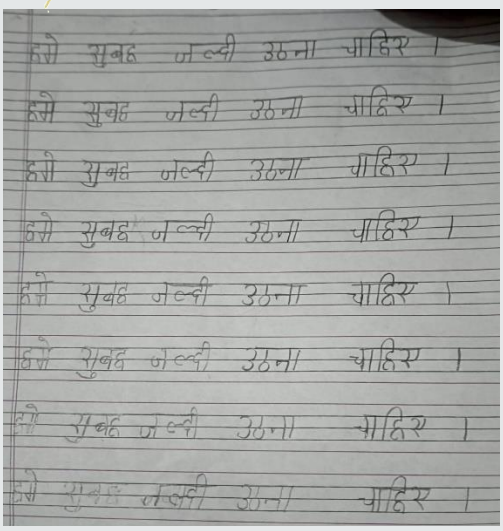

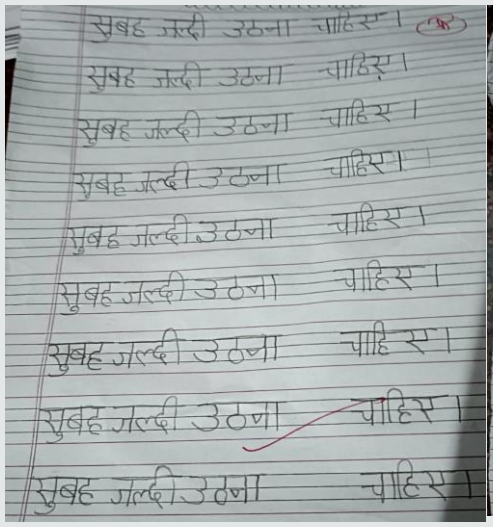

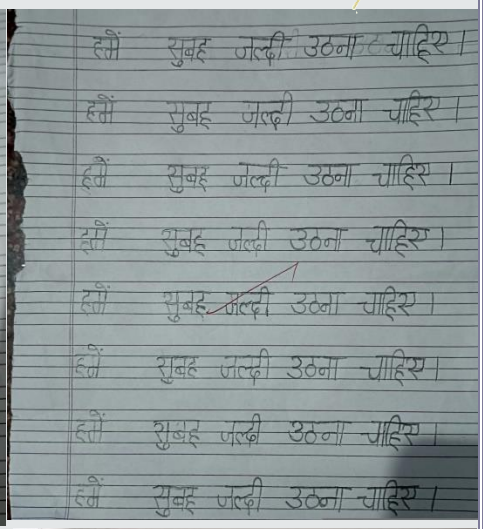

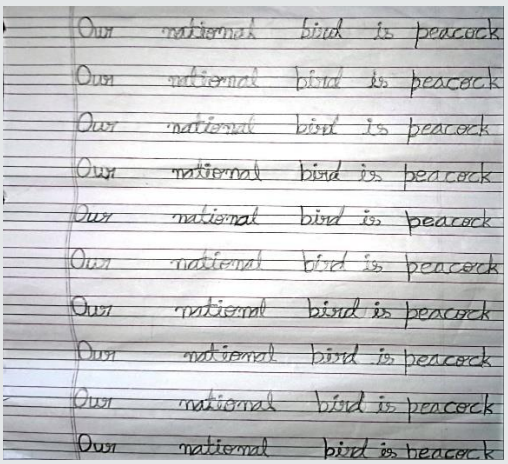

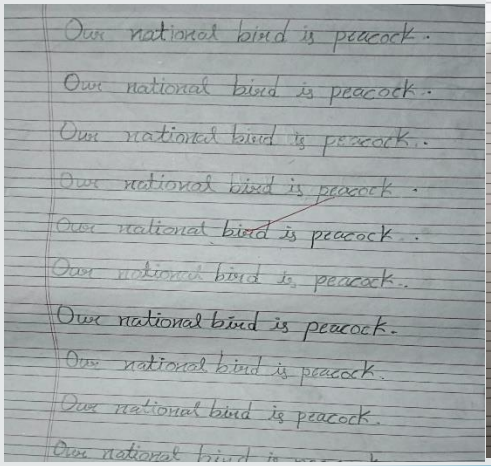

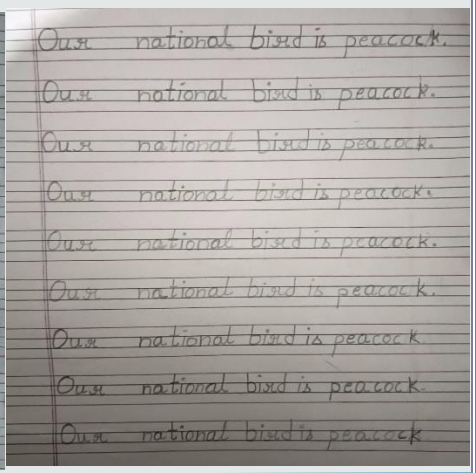

कक्षा- द्वितीय

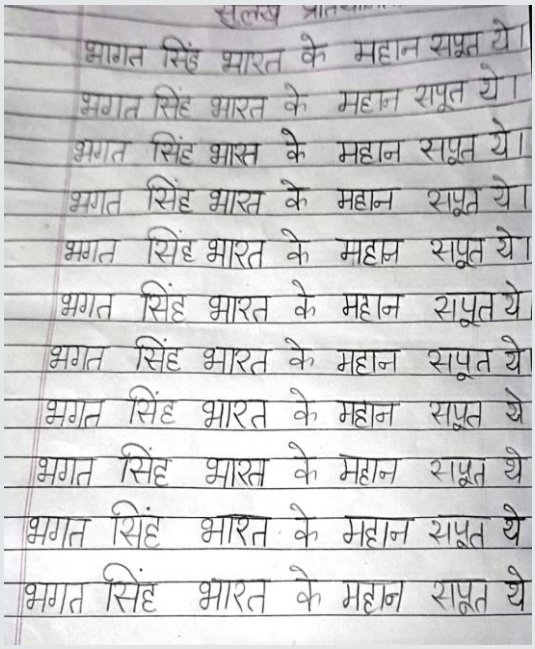

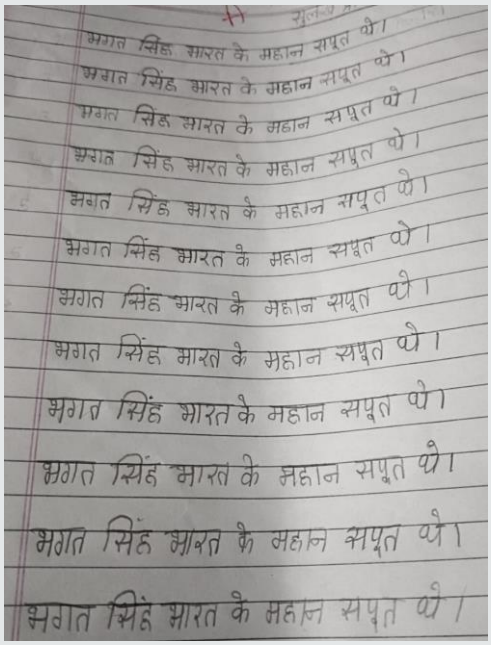

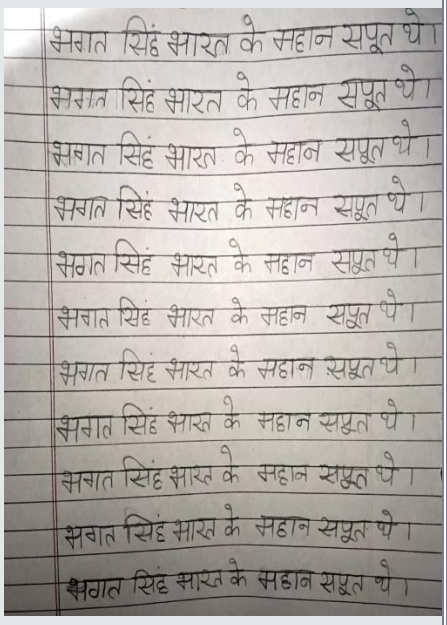

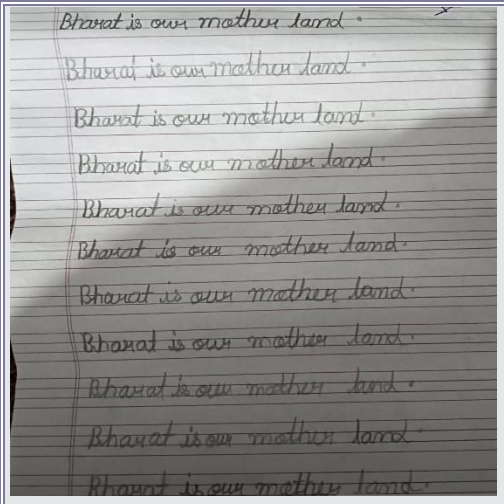
Bharat is our mother land.

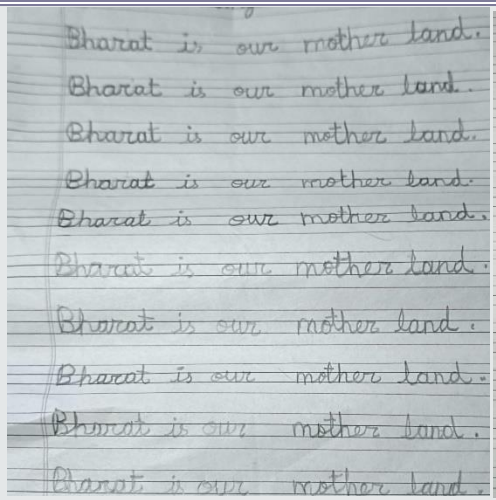
Bharat is our mother land.

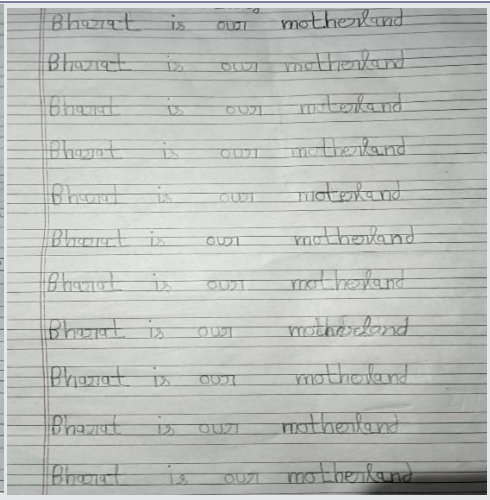
Bharat is our motherland

कक्षा- तृतीय

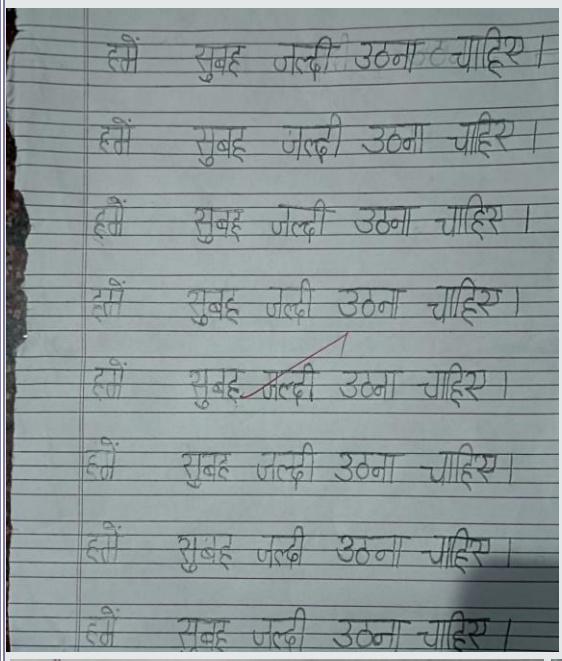
हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए।

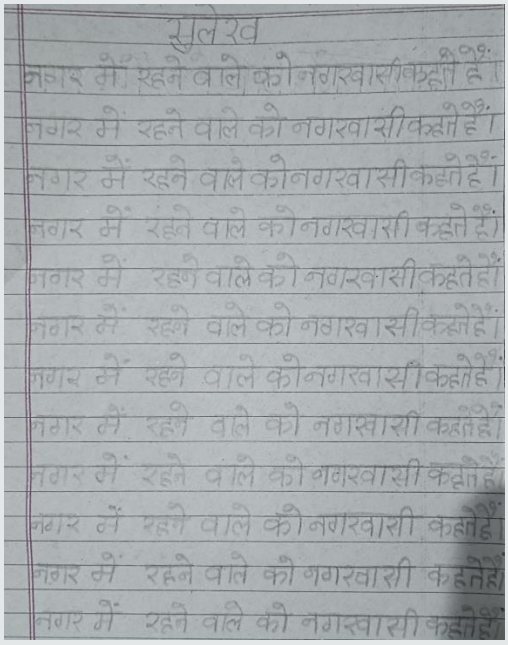
सुलेख
नगर में रहने वाले को नगरवासी कहते हैं।

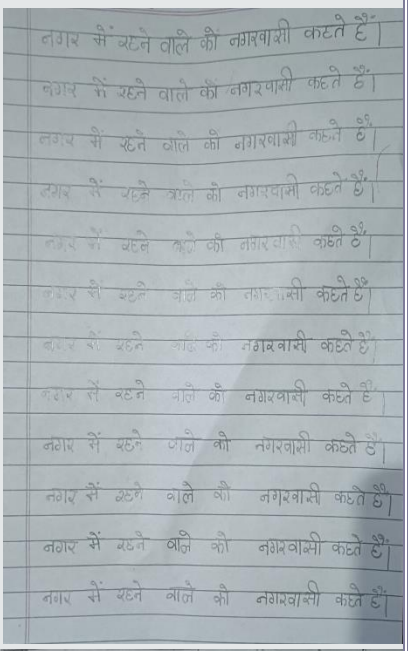
नगर में रहने वाले को नगरवासी कहते हैं।

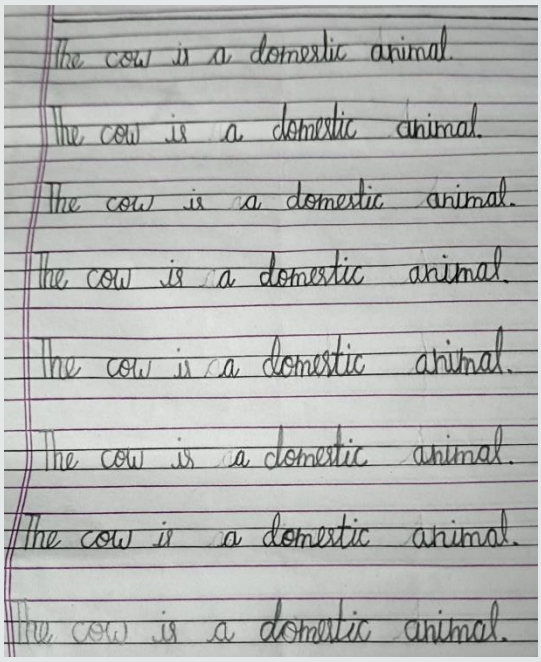
The cow is a domestic animal.

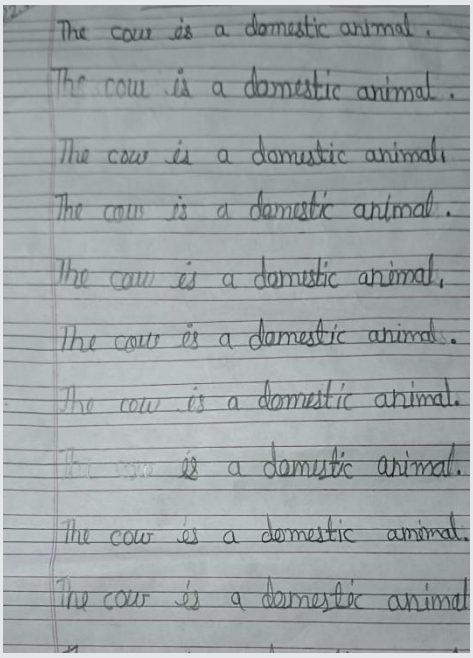
The cow is a domestic animal.

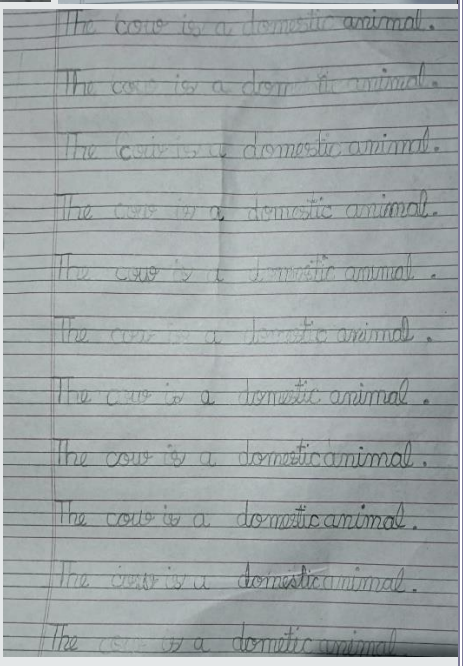
The cow is a domestic animal.

कक्षा- चतुर्थ

सचिन के घर की खिड़की के छज्जे पर चिड़िया ने अण्डे दिये थे। सचिन और उसकी बहिन राशिनी चिड़िया को वहाँ रोज आते-जाते देखा करते थे। चिड़िया को वहाँ बैठे देखकर दोनों को इतना मजा आता था कि उन्हें जलपान में दूध और इमरती को खाने की सुध ही नहीं रहती थी। धीरे-धीरे चिड़िया की दिनचर्या में परिवर्तन आने लगा। वह अपने घोंसले में अधिक देर तक रुकने लगी। सचिन और उसकी बहिन राशिनी के मन में विविध प्रकार के प्रश्न आते थे कि कहीं चिड़िया बीमार तो नहीं है? चिड़िया का घोंसला कैसा होगा?

सचिन के घर की खिड़की के छज्जे पर चिड़िया ने अण्डे दिये थे। सचिन और उसकी बहन राशिनी को वहाँ रोज आते जाते देखा करते थे। चिड़िया को वहाँ बैठे देखकर दोनों को इतना मजा आता था कि उन्हें जलपान में दूध और इमरती को खाने की सुध ही नहीं रहती थी। धीरे-धीरे चिड़िया की दिनचर्या में परिवर्तन आने लगा। वह अपने घोंसले में अधिक देर तक रुकने लगी। सचिन और उसकी बहन राशिनी के मन में विविध प्रकार के प्रश्न आते थे कि चिड़िया कहीं बिमार तो नहीं है? चिड़िया का घोंसला कैसा

सचिन के घर की खिड़की के छज्जे पर चिड़िया ने अण्डे दिये थे। सचिन और उसकी बहन राशिनी को वहाँ रोज आते देखा करते थे। चिड़िया को वहाँ बैठे देखकर दोनों को इतना मजा आता था कि उन्हें जलपान में दूध और इमरती को खाने की सुध ही नहीं रहती थी। धीरे-धीरे चिड़िया के दिनचर्या में परिवर्तन आने लगा। वह अपने घोंसले में अधिक देर तक रुकने लगी। सचिन और विविध प्रकार के प्रश्न आते थे कि चिड़िया कहीं बीमार तो नहीं है? चिड़िया का घोंसला कैसा होगा?

Bharat is the land of festivals. We celebrate many festival every year. Among these festivals are Religious and Some are National. Deepawali, Holi and Dussehara are the most important festivals of the Hindus. Deepawali is the festival of light. It celebrate in the month of Kartik. We celebrate it in the memory of Lord Ram's Return to Ayodhya after 14 year of exile.

Bharat is the land of festivals. We celebrate many festivals every year. Among these, some festivals are religious and some are national. Deepawali, Holi and Dussehara are the most important festivals of Hindus. Deepawali is the festivals of lights. It is celebrated in the month of Kartik. We celebrate it in the memory of Lord Rama's return to Ayodhya after 14 years exile. people decorate their houses. They illuminate their houses with earthen lamp, candles and electric

Bharat is the land of festivals. we celebrate many festival every year. Among these some festival are religios and some are national. Deepawali, Holi and Dussehra are the most important festivals of Hindus. Deepawali is the festival of Lights. It is celebrated in the month of Kartik. we celebrate it in the memory of Lord Ram's return to Ayodhya after 14 year of exile. People decorate their houses. They illuminate their houses with earthen lamp, candles and electric bulb

कक्षा- पंचम

(A) जिस प्रकार उत्तर भारत में दीपावली और दक्षिण भारत में ओणम् पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वैसे ही भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में 'बिहू' पर्व मनाया जाता है। नदियों, झीलों, पहाड़ियों, वनों और हरे-भरे मैदानों की प्राकृतिक सुषमा को अपने आँचल में समेटे हुए यह प्रदेश विभिन्न संस्कृतियों का संगम है। प्रकृति प्रेमी यहाँ के निवासी अपने विभिन्न परम्पराओं के माध्यम से प्रकृति को संवर्धन प्रदान करते हैं। उन्ही परम्पराओं मे बिहू एक ऐसा पर्व है जो यहाँ के निवासियों का गौरव है

जिस प्रकार उत्तर भारत में दीपावली और दक्षिण में ओणम पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वैसे ही भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में 'बिहू' पर्व मनाया जाता है। नदियों, झीलों, पहाड़ियों, वनों और हरे भरे मैदानों की प्राकृतिक सुषमा को अपने आँचल मे समेटे हुये यह प्रदेश विभिन्न संस्कृतियों का संगम हैं। प्रकृति प्रेमी यहाँ के निवासी अपनी विभिन्न परम्पराओं के माध्यम से प्रकृति को संवर्धन प्रदान करते हैं। उन्हीं परम्पराओं में बि एक ऐसा पर्व हैं जो यहाँ के निवासियों का गौरव

जिस प्रकार उत्तर भारत में दीपावली और दक्षिण में ओणम् पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वैसे ही भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में "बिहू" पर्व मनाया जाता है। नदियों, झीलों, पहाड़ियों, वनों और हरे-भरे मैदानों की प्राकृतिक सुषमा को अपने आँचल में समेटे हुए यह यह प्रदेश विभिन्न संस्कृतियों का संगम है। प्रकृति प्रेमी यहाँ के निवासी अपनी विभिन्न परम्पराओं में बिहू एक ऐसा पर्व है जो यहाँ के निवासियों का गौरव

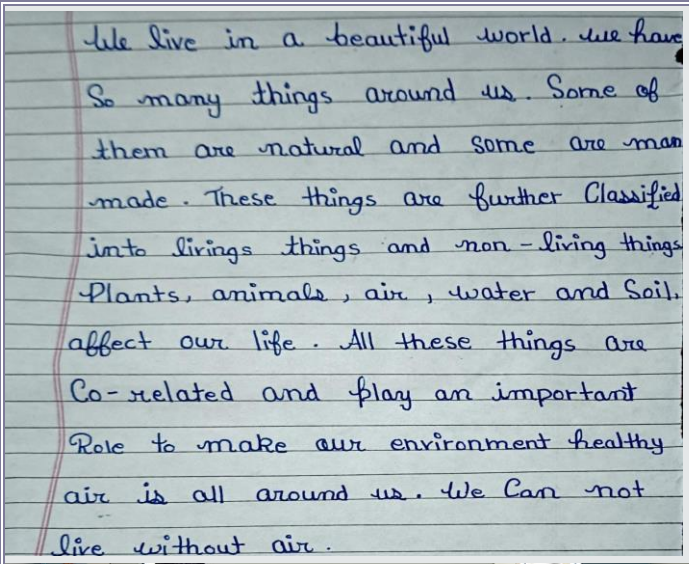

We live in a beautiful world. we have So many things around us. Some of them are natural and some are man made. These things are further Classified into livings things and non-living things Plants, animals, air, water and Soil. affect our life. All these things are Co-related and play an important Role to make our environment healthy air is all around us. We Can not live without air.

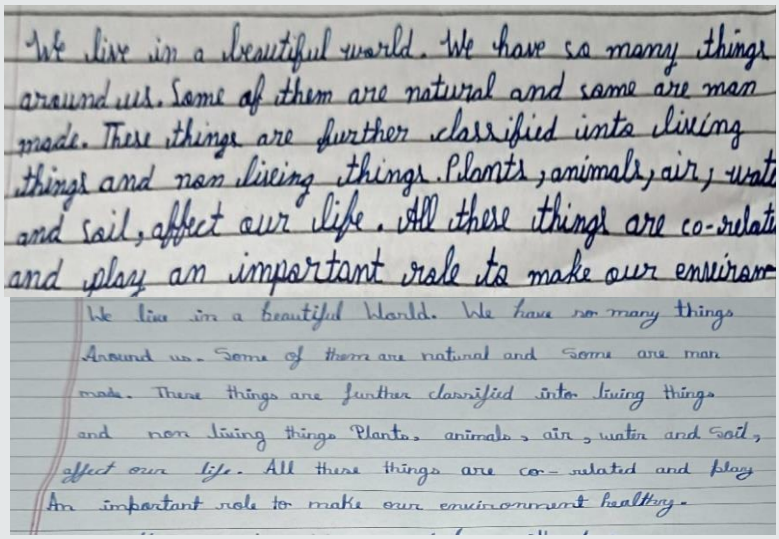

We live in a beautiful world. We have so many things around us. Some of them are natural and some are man made. These things are further classified into living things and non living things. Plants, animals, air, water and soil, affect our life. All these things are co-related and play an important role to make our environm

We live in a beautiful World. We have so many things Around us. Some of them are natural and Some are man made. These things are further classified into living things and non living things Plants, animals, air, water and Soil, affect our life. All these things are co-related and play An important role to make our environment healthy.

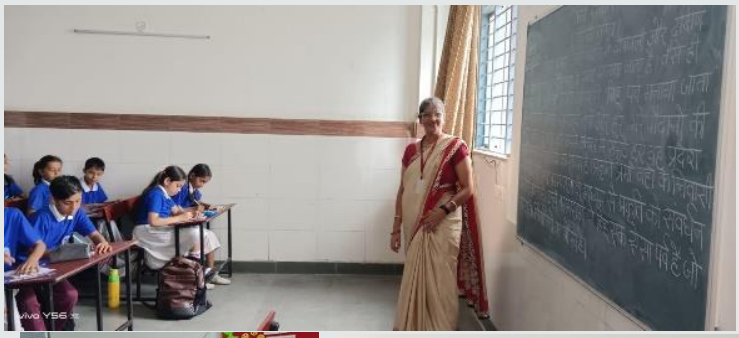

कला प्रतियोगिता दिनांक -28.07.23

वेश व पहाड़ा प्रतियोगिता दिनांक -24.07.23

विद्यालय में बस्ता, सुलेख,वेश, कला व पहाड़ा प्रतियोगिता के आयोजन से सम्बन्धित छायाचित्र ।

जयन्तियां

दिनांक-22.07.2023 को विद्यालय में महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद और बाल गंगाधर तिलक का जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर हरिओम जी (आचार्य जी)ने दोनों महान विभूतियों के महान कृतित्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

लेख

WRITING TIPS FOR ENGLISH HANDWRITING

1. Focus on posture - Correct posture can significantly help to improve handwriting.

2. Pick the right hand for you.

3. Strengthen your fingers and wrist - It is essential to strengthen the muscles to prevent fatigue and improve stamina.

4. Use the right pressure - Many children apply too much pressure by pressing their pen or pencil tip too hard on the paper ,it decreases the writing quality.

5. Write at the right speed.

6. Spacing between each letter ,each word and each line should be same.

7. The formation of letters should be similar .

8. Learn to maintain a rhythm while writing .

9. Adopt your letters to your natural handwriting motion .

10. One should have the knowledge of usage of capital and small letters .

11. Write on a stable surface .

12 .Punctuation marks should be used properly .

ALKA SAXENA

सुलेख की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह हमें भाषा के साधारण संकेतों और नियमों को समझने और उन्हें उच्चतर स्तर पर उपयोग करने में मदद करता है। इसके माध्यम से हम विचारों, अभिप्रेत और विचारों को स्पष्ट और सरल ढंग से व्यक्त कर सकते हैं। सुलेख के माध्यम से हम अपने भावों, विचारों और विचारधाराओं को लोगों तक पहुंचा सकते हैं और उनसे प्रभावित कर सकते हैं। सुलेख हमें अपने विचारों और ज्ञान की समीक्षा करने का अवसर देता है। हम अपने विचारों को शब्दों में बदलकर उन्हें बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, और उन पर विचार कर सकते हैं। सुलेख हमें लेखन कौशल का विकास करने में मदद करता है और हमारी व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सफलता दिलाने में सहायक है। सुंदर लेखनी का अपना महत्व है। हस्तलिपि विशेषज्ञ लिखावट की बनावट देखकर लिखने वाले का मिज़ाज़, भूत, वर्तमान और भविष्य भी बता देते हैं। लेकिन हमारा तो सिंपल सा मंतव्य है कि सुंदर लिखावट पढ़ने वाले का मन मोह लेती है।

धर्मेंद्र कुमार

Importance of Handwriting

Handwriting activates the brain more than keyboarding. This is because it involves more complex motor and cognitive Skills. Good handwriting contributes to reading fluency because it activates visual perception of letters. Handwriting skill help children develop reading and speaking skills. It also helps with the ability to recall and remember information.

Tips to improve your handwriting

- **Keep your shoulder relaxed.**
- **Prefer a soft and comfortable grip.**
- **Keep the spacing consistent.**
- **Don't apply excess pressure.**
- **Keep the slants consistent.**
- **Don't tangle letters and words.**
- **Don't join and mix letters.**
- **Practice writing daily.**
- **Use pen / pencil that gives a smooth flow.**
- **Practice with varying slopes and angles heights of your letters roundness of letter etc.**

Arunima srivastava

लेख को सुन्दर बनाने हेतु कुछ सुझाव

सुलेख 'सु 'और 'लेख' से बना एक शब्द है जिसमें "सु"का अर्थ सुंदर और "लेख" का अर्थ लिखा हुआ है। सुलेख सौंदर्य परक शब्दों को लिखने की कला है इसे कला का एक हिस्सा माना जाता है क्योंकि यह सीखने के लिए कौशल और धैर्य प्राप्त कराता है सुलेख एक ऐसी थेरेपी है जो हमारे सर्वोत्तम व्यक्तित्व को सामने लाती है।

१.अपना लेख सुंदर बनाने के लिए प्रतिदिन लिखने की आवश्यकता होती है।

२.लेख लिखते समय शब्दों के बीच की दूरी उचित अनुपात में होनी चाहिए।

३.सुलेख को उचित गति से लिखने की कोशिश करनी चाहिए।

४.लेख लिखते समय वाक्य संरचना, वर्तनी और वाक्यो का सही प्रयोग करना चाहिए।

५.सुलेख लिखते समय व्याकरण का ध्यान रखना चाहिए।

६प्रमुख बिंदुओं को बोल्ड अक्षरों में रेखांकित करें।

७.मस्तिष्क को शांत रखें एकाग्र होकर लिखें।

८.पैन को सही तरीक़े से 45/° डिग्री के कोण से पकड़ना चाहिए।

९.आधुनिक सुलेख का नियम कहता है कि ऊपर की ओर जाने वाला स्ट्रोक ऊपर की ओर एक हल्की रेखा है और नीचे की ओर जाने वाला स्ट्रोक नीचे की ओर भारी रेखा है।

१०.आज कल बॉल पैन से लिखने का अधिक चलन है जैसे बॉल पॉइंट पैन, फ़ाइन लाइनर पैन , पेंसिल या फ़िल्टटिप पैन, इसका स्टॉक हमेशा **एक** समान ही रहेगा।

अंत में मैं बस यही कहना चाहूंगी कि सुंदर लेख लिखना कोई एक दिन का काम नहीं बल्कि प्रतिदिन अभ्यास करना ही सुलेख को जन्म देता है।

धन्यवाद।

संगीता गोयल

लेख कैसे सुधारें?

हैंडराइटिंग के द्वारा हम अपनी बात और अपने विचारों को दुसरों तक पहुंचाते है अत: यह बहुत ही आवश्यक है कि हमारी हैंडराइटिंग के एक एक शुब्द साफ-सुथरे व पढ़ने योग्य हो.

खराब हैलाइटिंग से या जल्दी में लिखे गए अधूरे अक्षरों से हमारा लेख का अर्थ भी बदल सकता है और उससे हमारा इंप्रेशन भी खराब होता है और हमारे द्वारा लिखा जाना कोई पसंद नहीं करता और सबसे प्रमुख स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करना एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन होना और भी कठिन हो जाता है।

लेख सुधारने के तरीके

शुद्ध लेखन का अभ्यास

शब्दो की स्थिरता और दूरी

आपकी हैंडराइटिंग व्यवस्थित और आकर्षक हो उसके लिए जरूरी है कि आप अक्षरों के बीच की दूरी का भी ध्यान में रखें, ताकि वाक्य का क्या अर्थ ठीक से समझा सकें एवं अक्षर सीधे व लिखावट सीध में एवं बराबर दूरी पर लिखे होने से लेख पढ़ने में स्पष्ट आकर्षक एवं सुंदर दिखाई देता है।

शब्दों का आकार और पेन की स्थिति

अच्छी हैंडराइटिंग के लिये शब्दों का आकार भी बराबर रहना चाहिए। ऐसा ना हो कि कोई अक्षर छोटा एवं कोई अक्षर बड़ा हो क्योंकि इससे पढ़ने में कठिनाई होगी एवं यह देखने में भी अच्छा नहीं लगेगा, अर्थात शब्दों का आकार समान होना चाहिए लिखते समय हमें पेन या पेंसिल की पकड़ को सामान्य रखना चाहिए जैसे:-

पेन या पेंसिल को एक निश्चित दूरी से पकड़े

पेन या पेंसिल ना ज्यादा कसकर ना ज्यादा ढीला पकड़े
पेन की निब को ज्यादा गड़ा करना चलाएं
अपनी हथेली के आकार के अनुसार ही पैन को पकड़ने की स्थिति का चयन करें
सफाई और लाइन का ध्यान
हैंडराइटिंग तभी आकर्षक दिखती है जब सफाई से लिखा जाता है यानी हमें कोशिश करनी है कि हम साफ और सुंदर लिखें ज्यादा काटा-छांट ना करें क्योंकि इससे हमारे लेख की सुंदरता नहीं रहेगी और लिखते समय हमें हमेशा लाइन पर ही लिखना चाहिए ताकि वह व्यवस्थित दिखे।

ज्योति शाक्य

"HOW TO IMPROVE WRITING SKILLS "

What are writing skills?

***When we talk about writing skills, we are referring to your ability to provide the reader with all the revelant information that they will need in a clear and concise manner that can be easily understood.**

*** Someone who has good writing skills will be easily able to put their message across in a piece of writing that is grammatically correct and interesting captivating The reader and causing them to want to read more.**

"TIPS FOR IMPROVING YOUR WRITING SKILLS".

1-Spelling and grammar-Including a good level of spelling and commerce in your writing.

2-**Read more -**one of the best things that you can do to improve your writing skills is to read more.

3-Practice - It doesn't matter whether you are writing an important essay or making some notes in a personal journal you are still writing.

4-outline your work-Before you begin writing, it is very important to have a clear outline of what you are going to write. This will allow you to build up a picture which you can follow as you write.

5-Keep it simple-when writing, it is important that you consider your audience.

6-Draft check and rewrite-check your work once you have finished and rewriting parts of it can really improve your writing skills.

7-Learn your style – Just as you wish to know yourself on a personal level.

8-Don't get too wordy -If you are trying to write something you should keep to a minimum.

Compare your work and research

Conclusion-Having good writing skills can make your writing sound much more clear concise and interesting .Follow all these rules you can improve your writing skills.

Vintesh Singh

पृष्ठ संख्या 21 का उत्तर

1.5 जून, 2.2- अक्टूबर, 3.14- जुलाई 2023, 4.5-AUG, 5. बैंगलोर, 6.18, 7.प्रेमचंद, 8. गोरखपुर, 9. गंगई कोडचोलपुरम, 10. गोविंद राय

शिशु सभा

दिनांक-22.0.2023 को शिशु सभा का आयोजन किया गया इस अवसर पर भैया/ बहिनों ने कविता, गीत व पंचतंत्र की कहानियों को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया।

विज्ञान सप्ताह

भारत भवन
सहयोग - भारत विकास परिषद, नोएडा
Betadine
Welcomes You

APPLY Betadine CREAM
COVER THE WOUND WITH BANDAGE
CLEAN THE WOUND WITH ANTISEPTIC SOLUTION Betadine
CLEAN THE WOUND
Betadine
Welcomes You

भारत भवन
सहयोग - भारत विकास परिषद, नोएडा
Small steps can go a long way towards better health
Health Bank
5KM
Take a step forward with
Preventive Health Camp

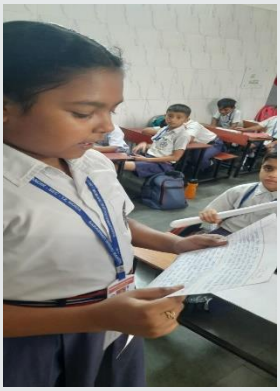

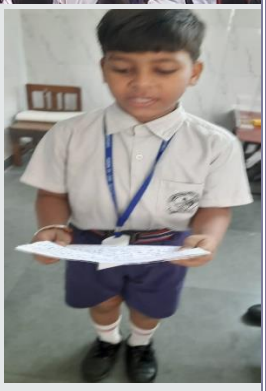

25 जुलाई से 2 अगस्त 2023 तक चलने वाले विज्ञान सप्ताह में प्रधानाचार्य जी ने हमारे प्रसिद्ध रसायन शास्त्र डॉ० प्रफुल्ल चंद्रराय जी के छाया चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस अवसर पर स्टेला जी (आचार्या)ने उनके जीवन- परिचय एवं विज्ञान के क्षेत्र में की गई उनकी उपलब्धियों को बताया। भैया- बहिनों ने भी विज्ञान की गतिविधियों जैसे- ड्रोन उड़ाना, बेटाडीन एंटीसेप्टिक का उपयोग करना, औषधीय पौधों का रोपण, व विज्ञान पत्र वाचन में भाग लिया।

जन्मदिवस कार्यक्रम

दिनांक- 28.07.2023 को विद्यालय में जन्मदिवस कार्यक्रम मनाया गया इस अवसर पर भैया- बहिनों के उज्जवल भविष्य के लिए हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रहेलिकाएँ

1.कमर बांधे घर में रहता सुबह शाम जरूरत है पढ़ती बताओ क्या?

2.हरी डंडी लाल कमान तोबा तोबा करे इंसान?

3.सफेद तन हरी पूंछ ना बुझे तो नानी से पूछ?

4.काला घोड़ा सफेद की सवारी एक उतरा तो दूसरे की बारी?

5.हाथों से निकले फूलों में उलझे नाम बताओ समस्या सुलझे?

6.ऐसी कौन सी सब्जी है, जिसे उल्टा पढ़ने पर लड़की का नाम आता है?

7. ऐसा शब्द बताइए कि जिससे फूल, मिठाई और फल बन जाए?

8.ऐसी कौन सी चीज है, जो समुद्र में पैदा होती है और आपके घर में रहती है?

9. वह कौन सा फूल है, जिसके पास कोई रंग और महक नहीं है?

10. मेरे नाम से सब डरते हैं, मेरे लिए परिश्रम करते हैं।

सामान्य ज्ञान

प्रश्न-1 पर्यावरण दिवस कब मनाते है?

प्रश्न-2 स्वच्छता दिवस कब मनाते है?

प्रश्न-3 चंद्रयान-3 (Chandrayaan-3) की लॉन्च डेट क्या है?

प्रश्न-4 राम मन्दिर का पूजन कब हुआ?

प्रश्न-5 भारतीय विज्ञान संस्थान कहाँ है?

प्रश्न-6 गीता में कितने अध्याय है?

प्रश्न-7 गोदान पुस्तक के लेखक कौन है?

प्रश्न-8 पहला सरस्वती शिशु मंदिर कहां प्रारंभ हुआ था?

प्रश्न-9 "चोल" राजवंश ने नई राजधानी कहां बनाई थी?

प्रश्न-10 पृथ्वीराज के भाई का क्या नाम था?

उत्तर इसी अंक में है

बच्चों का कोना

भारत की प्रमुख नदियाँ

य	मु	ना	कृ	ष्णा	गो
का	वे	री	न	र्म	दा
व्या	सिं	झे	चि	ना	व
स	त	ल	ज	गं	री
ता	प्ती	म	श्रा	गा	वी